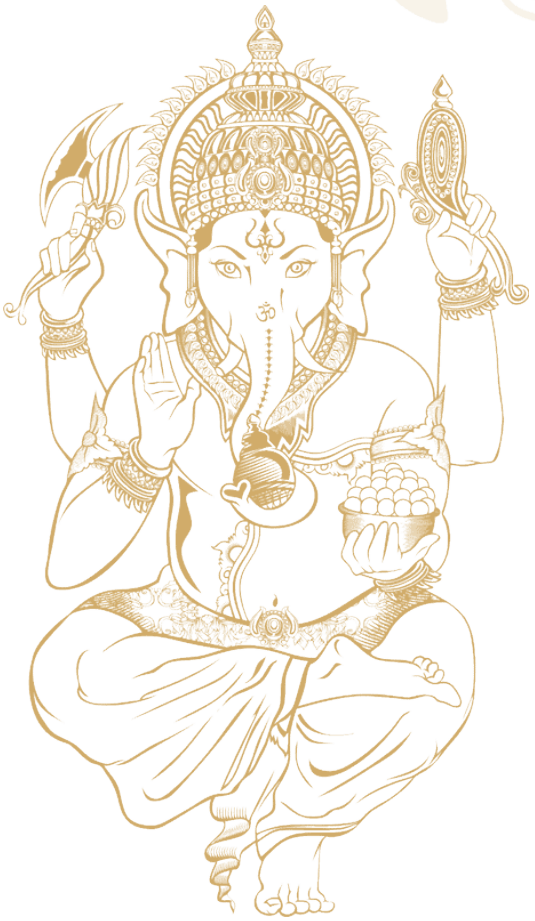

Shail

Model: Love-Horoscope

Order No: 120941801

Model: Love-Horoscope

Order No: 120941801 Date: 15/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/10/2012	जन्म तिथि	15/01/2026
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 23:32:00	जन्म समय	18:32:00 घंटे
घटी 42:52:51	जन्म समय(घटी)	28:11:47 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:22:51	सूर्योदय	07:15:17
17:50:09	सूर्यास्त	17:46:04
24:02:22	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:21

मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
तुला	राशि	वृश्चिक
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
स्वाति	नक्षत्र	ज्येष्ठा
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	3
प्रीति	योग	वृद्धि
बालव	करण	तैतिल
ता-तरुण	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
महिष	योनि	मृग
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 3वर्ष 11मा 0दि		29:46:52	मिथु	लग्न	कर्क	11:48:40	बुध 7वर्ष 2मा 5दि	
गुरु		29:44:21	कन्या	सूर्य	मक	01:09:50	बुध	
17/09/2016		17:05:49	तुला	चंद्र	वृश्चि	24:21:59	15/01/2026	
17/09/2032		12:49:02	वृश्चि	मंगल	धनु	29:40:44	23/03/2033	
गुरु	05/11/2018	21:50:05	तुला	बुध	धनु	27:17:22		00/00/0000
शनि	18/05/2021	22:05:29	वृष व	गुरु व	मिथु	25:11:19		00/00/0000
बुध	24/08/2023	21:48:25	सिंह	शुक्र	मक	03:16:44		00/00/0000
केतु	30/07/2024	07:15:29	तुला	शनि	मीन	02:56:55		00/00/0000
शुक्र	31/03/2027	02:16:53	वृश्चि व	राहु व	कुंभ	15:43:32		00/00/0000
सूर्य	17/01/2028	02:16:53	वृष व	केतु व	सिंह	15:43:32		15/01/2026
चन्द्र	18/05/2029	11:49:28	मीन व	हर्ष व	वृष	03:24:10	राहु	07/04/2028
मंगल	24/04/2030	06:29:52	कुंभ व	नेप	मीन	05:31:18	गुरु	14/07/2030
राहु	17/09/2032	13:07:29	धनु	प्लूटो	मक	08:56:53	शनि	23/03/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

24:02:22 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:21

लग्न-चलित

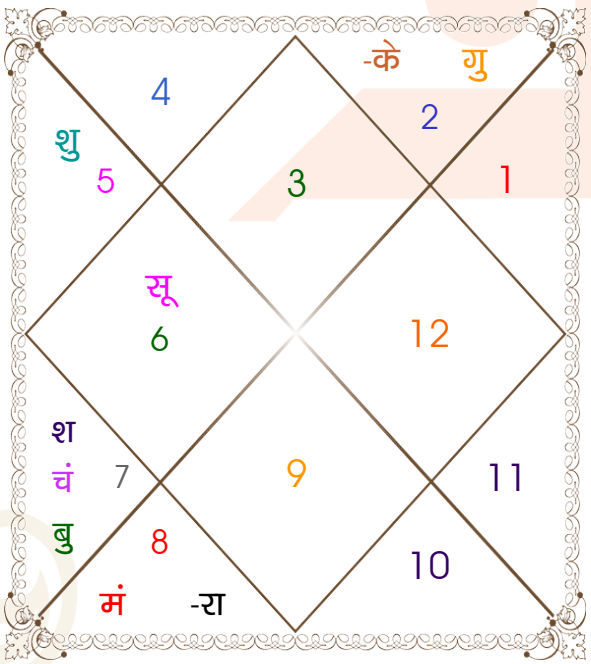

लग्न-चलित

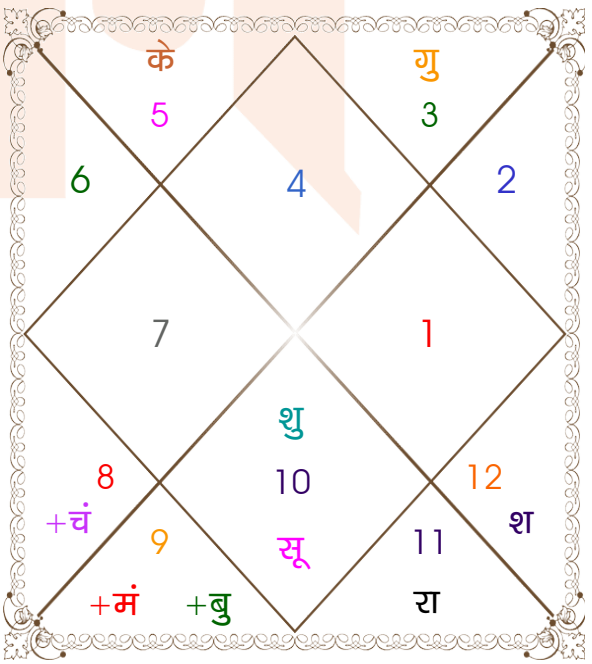

आचार्य ऋषि राज मिश्रा
आचार्य मुकेश त्रिवेदी
आचार्य गोपाल त्रिपाठी
नई दिल्ली,कानपुर,छिंदवाड़ा

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

कुल : **16.5 / 36**

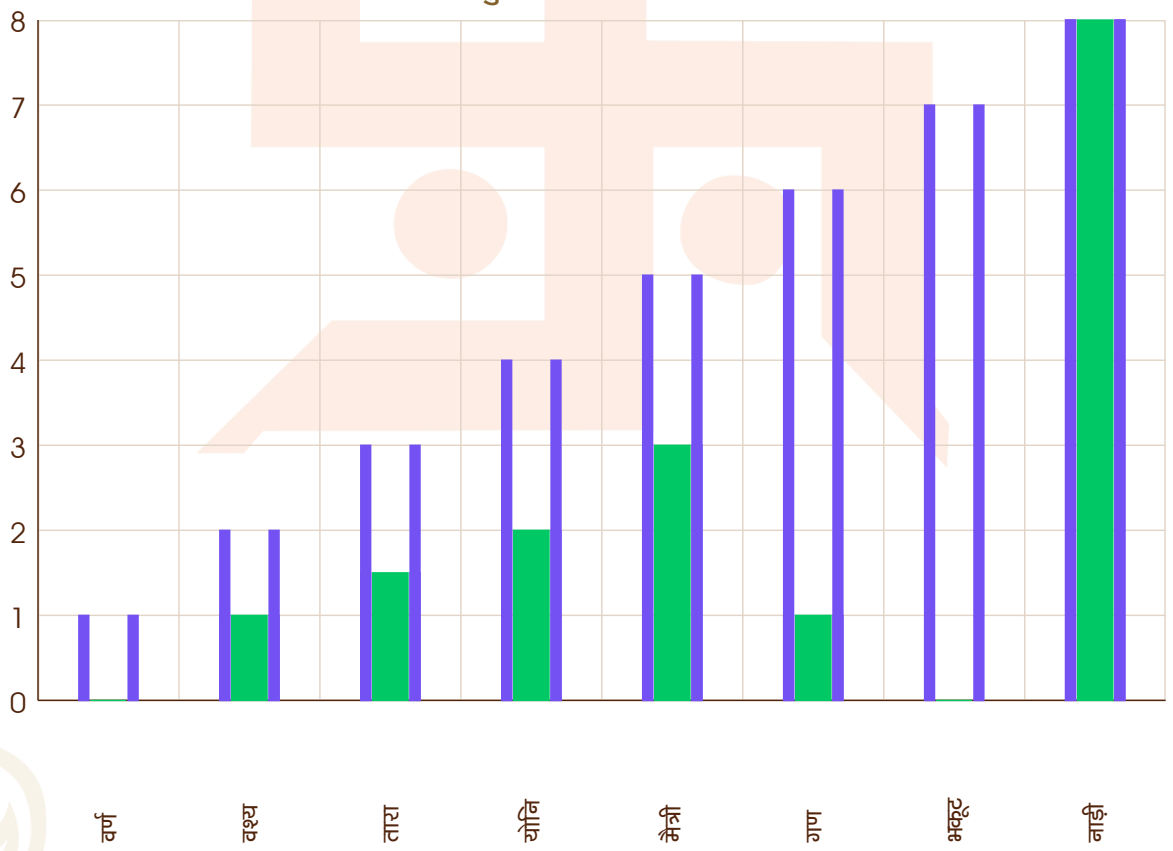

आचार्य ऋषि राज मिश्रा
आचार्य मुकेश त्रिवेदी
आचार्य गोपाल त्रिपाठी
नई दिल्ली,कानपुर,छिंदवाड़ा

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Shail का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shail और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shail मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Shail तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Shail का वर्ण शूद्र है तथा Ms. का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms. का वर्ण Shail के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ms. हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Shail के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Shail का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप Shail एवं Ms. दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

Shail की तारा वध तथा Ms. की तारा क्षेम है। Shail की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Shail बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Shail को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms. लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Shail की योनि महिष है तथा Ms. की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात

मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Shail एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Shail का गण देव तथा Ms. का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Ms. निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Ms. की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Shail से Ms. की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms. से Shail की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Shail गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms. समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Shail शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Shail की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम

मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Shail की अन्त्य नाड़ी तथा Ms. की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Shail की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Ms. की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। वायु एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Shail और Ms. में स्वभावगत असमानताएं होंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में मतभेद तथा तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

Shail की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms. की जन्मराशि का स्वामी मंगल दोनों एक दूसरे की सम राशि में हैं। अतः इसके प्रभाव से Shail और Ms. के प्रवृति एक दूसरे के प्रति उदासीन रहेगी तथा किसी भी प्रकार की सक्रियता का प्रायः अभाव रहेगा। फिर भी एक दूसरे के प्रति सामान्यतया सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति का भाव रहेगा तथा सुख दुख में यथा शक्ति एक दूसरे की सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

Shail तथा Ms. दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है इसके प्रभाव से परस्पर संबधों में मतभेद तथा तनाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे की प्रशंसा की अपेक्षा आलोचना अधिक करेंगे । अतः इनका वैवाहिक जीवन विशेष सुखी या शांतिमय नहीं रहेगा।

Shail का वश्य मानव तथा Ms. का वश्य कीट है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक शत्रुता तथा विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग अलग होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

Shail का वर्ण शूद्र तथा Ms. का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी अन्तर रहेगा। Shail की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी परन्तु Ms. शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगी अतः इससे भी यदा कदा Shail और Ms. के मध्य तनाव उत्पन्न हो सकता है।

धन

Shail और Ms. की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Shail और Ms. समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms. की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा

भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Shail भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Shail और Ms. को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Shail की नाड़ी अन्त्य तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Shail और Ms. अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Shail और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Shail और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Shail और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Shail और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms. के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms. अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल

रहेंगी।

इस प्रकार Ms. के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Shail की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Shail सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Shail का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Shail के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Shail भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Shail के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।

लग्न फल

Shail

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।

Ms.

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार की होंगी। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगी। आप अपने सम्पर्क की बहु संख्यक महिलाओं के मध्य प्रसिद्ध होंगी। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगी तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगी।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहती हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगी। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकती हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके

प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकती हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकती है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड़ जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपके पति एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपके पति के साथ अपराध उजागर कर सकती है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करती हैं तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकती हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार की स्त्री है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकती हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगीं क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहती हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनाना चाहेंगी। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आप अपनी इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहती हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगी।

कर्क राशि विद्यामान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग,

सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है।

अंक ज्योतिष फल

Shail

आपका जन्म दिनांक 16 है। एक एवं छः के योग से आपका मूलांक 7 होता है । मूलांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून होता है। अंक एक का सूर्य तथा 6 का शक्रु है । इन तीनों ग्रह सूर्य, शुक्र, केतु या नेपच्यून का प्रभाव आपके जीवन में निरन्तर चलता रहेगा। मूलांक 7 के प्रभाव से आपकी अभिरुचि ललित कलाओं में रहेगी। आपको गीत-संगीत, लेखन, काव्य, चलचित्र, दूरदर्शन इत्यादि में लगाव होगा। कल्पनाशक्ति आपकी काफी अच्छी रहेगी। धन संग्रह में आपको कठिनाईयां आयेंगी इससे अर्थ के क्षेत्र में आप कमी महसूस करेंगे। घूमने-फिरने के शौकीन होने के कारण आप लम्बी यात्रायें करेंगे जिनसे आपके ज्ञान की वृद्धि होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान आपके अन्दर काफी अच्छा रहेगा, जिससे दूसरों के विचार या बात को आप आसानी से समझ जायेंगे।

अंक एक एवं छः के स्वामी सूर्य, शुक्र ग्रह के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी, दृढ़प्रतिज्ञ, अडिग एवं सौन्दर्यबोध को समझने वाले होंगे। आप अपने जीवन में काफी संघर्ष करेंगे, लेकिन अन्त में संघर्षों पर विजय प्राप्त करेंगे एवं सफलता अर्जित करेंगे। आपको स्वच्छता अधिक पसन्द आयेगी एवं सभी वस्तुऐं करीने से सजी हों तथा घर ऑफिस में सुन्दर बैठक हो ऐसी आपकी मनोवृत्ति रहेगी।

दूरस्थ देशों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आप रोजगार-व्यापार में ऐसी लाईन का चुनाव करेंगे, जिसमें दूरस्थ देशों से निरन्तर सम्पर्क बना रहे तथा उनसे लाभ मिले। नेपच्यून, शुक्र एवं सूर्य के संयुक्त प्रभाववश आपको प्रारम्भ में संघर्ष करना पड़ेगा। पश्चात् मध्य अवस्था से अन्तिम अवस्था तक उन्नति की सीढ़ियां चढ़ते चले जायेंगे।

Ms.

आपका जन्म दिनांक 15 है। एक एवं पाँच के योग से आपका मूलांक 6 होता है। मूलांक 6 का अधिष्ठाता शुक्र है एवं एक का सूर्य तथा पाँच का बुध है। आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों की काफी भूमिका रहेगी। मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक सौन्दर्य प्रेमी, सुरुचिपूर्ण व्यवहार करने वाली, जनता के मध्य लोकप्रिय महिला होंगी। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं गान, वाद्य, गीत संगीत सुनने का शौक रहेगा।

आप प्रत्येक कार्य में स्वच्छता पसन्द करेंगी। आपके अन्दर दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति रहेगी एवं उन्हें अपना बना लेने की कला रहेगी। सूर्य के प्रभाव से आप जीवन में सदैव प्रकाशित रहना चाहेंगी। परोपकार में हिचकेंगी नहीं तथा अपने कार्य को निष्पक्ष एवं ईमानदारी से करेंगी। बुध के प्रभाव से आपमें वाणी चातुर्य का विकास होगा। आप सोच-समझकर वाणी व्यवहार करेंगी। तर्क शक्ति अच्छी होगी तथा दूसरों को अपनी बात सहज में समझाने की सामर्थ्य रहेगी।

आपकी समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी। दान पुण्य के कार्य आपके हाथ से होंगे। विद्याध्यन आपके लिये हितकर है एवं अपने बुद्धि चातुर्य, विद्या बुद्धि के सहारे अपने जीवन में प्रारम्भ से ही सफलता अर्जित करेंगी। एकाध असफलताऐं भी मिलेंगी। लेकिन इनसे आप बिना विचलित हुये अपने जीवन के लक्ष्य पर पहुंचेगी तथा घर परिवार, समाज में नाम कमायेंगी।

Shail

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रुढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Ms.

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।